भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. **+412**

सोमवार, **24** जून, 2019/**3** आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आध्यात्मिक-सांस्कृतिक-पारिस्थितिकीय पर्यटन

+**412.** श्री टी॰ एन॰ प्रथापनः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास **गत** वित्त वर्ष के दौरान देश की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या संबंधी और इससे अर्जित विदेशी मुद्रा का कोई आंकड़ा है**;**

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;**

(ग) सरकार द्वारा देश में आध्यात्मिक- सांस्कृतिक-पारिस्थितिकीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है**;**

(घ) क्या सरकार त्रिशूर जैसे स्थान को केन्द्र में रखकर, जिसे केरल की सांस्कृतिक राजधानी माना जाता है, सांस्कृतिक-आध्यात्मिक- पारिस्थितिकीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई उपाय किए हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने केरल में आध्यात्मिक सर्किट पर्यटन को विकसित करने हेतु संभावी स्थलों की पहचान की है और यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री **(**स्वतंत्र प्रभार**)** (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) और (ख) : वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान विदेशी पर्यटक आगमन और अनुमानित विदेशी मुद्रा अर्जन क्रमशः **1,06,06,049 (अंतरिम**) तथा **27.776** अमेरिकी बिलयन डालर रहा।

(ग) से (ड.): पर्यटक स्थलों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों को शामिल करते हुए भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। मंत्रालय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और इको पर्यटन सहित विविध रुचियों के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए जारी कार्यकलापों के एक भाग के रूप में अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के तहत अंतर्राष्ट्रीय तथा घरेलू मार्केटों में वार्षिक रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। देश में पर्यटन अवसंरचना के निर्माण हेतु मंत्रालय की दो प्रमुख योजनाएं अर्थात स्वदेश दर्शन-थीम आधारित पर्यटक परिपथों का एकीकृत विकास तथा प्रसाद- तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान है। केरल राज्य के लिए इन योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत आध्यात्मिक परिपथ सहित परियोजनाएं अंनुबंध में दी गई है।

****

अनुबंध

आध्यात्मिक-सांस्कृतिक-पारिस्थितिकीय पर्यटन के संबंध में दिनांक **24.06.2019** के लोकसभा लिखित प्रश्न संख्या +**412** भाग (ग) से (ड.) के उत्तर में विवरण

क. स्वदेश दर्शन योजना के तहत केरल राज्य के लिए स्वीकृत परियोजनाएं

परिपथ का नाम एवं स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम
इको पर्यटन परिपथ 2015-16	पथनमथिट्टा- गावी- वागमोन-थेक्काडी में विकास
आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	सबरीमाला-एरूमेलि-पम्पा-सन्नीधानम का विकास
आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	श्री पदमनाभ अरनामुला - सबरीमाला का विकास
ग्रामीण परिपथ 2018-19	मालानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास
आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	शिवगिरि श्री नारायण गुरु आश्रम – अरुविपुरम – कुन्नुमपारा श्री सुब्रमण्या – चेम्बझांति श्री नारायण गुरुकुलम का विकास
आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	कासारागोड, वायनाड, कन्नूर, कोझिकोड, पल्लक्कड़, मलापुरम, त्रिचूर, एर्णाकुलम, इडुक्की, कोट्टयम,अल्लपुझा, पथानमथिट्टा, कोल्लाम, त्रिवेंद्रम का विकास

ख. प्रशाद योजना के तहत केरल राज्य के लिए स्वीकृत परियोजनाएं

स्वीकृति का वर्ष	परियोजना का नाम
2016-17	गुरुवयूर मंदिर का विकास

****